कृषि विज्ञान केन्द्र

जापानी फार्म, कतीरा, भोजपुर, आरा,

(बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर, भागलपुर)

bhojpurkvk@gmail.com

09431091369

मौसम आधारित कृषि परामर्श

भोजपुर जिले के मौसम का पूर्वानुमान

मौसम कारक	04.05.2024	05.05.2024	06.05.2024	07.05.2024	08.05.2024
वर्षा (मि.मी.)	00	0.0	10.0	10.0	10.0
अधिकतम तापमान (से.)	39.0	38.0	37.0	36.0	36.0
न्यूनतम तापमान (से.)	21.0	23.0	21.0	21.0	21.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	30	30	60	60	60
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	20	20	30	30	30
हवा की गति (कि.मी. प्रति घंटा)	10	10	12	12	10
पवन दिशा (डिग्री)	110	90	90	110	110
क्लाउड कवर (ओक्टा)	00	0	6	6	6

मौसम सारांश / चेतावनी :

- भारत मौसम विज्ञान विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार 04 से 07 मई के दौरान पक्षिमी विक्षोभ के सक्रिय होने के कारण जिले में एक या दो स्थानों पर हल्की वर्षा मेघ गर्जन के साथ हो सकती है।
- इस अवधि में अधिकतम और न्यूनतम तापमान में 02–03 डिग्री सेंटीग्रड की कमी का अनुमान है। अधिकतम तापमान 36–39 डिग्री सेंटीग्रेट और न्यूनतम तापमान 21–23 डिग्री सेंटीग्रेड रहने की संभावना है।
- सापेक्षित आर्द्रता सुबह में 60 से 70 प्रतिशत तथा दोपहर में 20 से 30 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- पुर्वानुमान की अवधी में 15–20 किमी/घंटा की रफतार से पूरवा हवा चल सकती है।

सामान्य सलाह :

पूर्वानुमानित अवधि में वर्षा की संभावना को देखते हुए मक्का एवं सब्जियों में सिचाई स्थगित करें। कीब्नाशक दवा एवं खाद का छिड़काव मौसम साफ रहने पर ही करें।

लघु संदेश सलाह :

ग्रीष्मकालीन धान और अरहर की बुआई के लिए खेत तैयार करें।

फसल विशिष्ट सलाह :

मूँग	विगत माह में बोयी गई मूंग व उरद की फसल में निकाई–गुराई एवं बछनी करें। इन फसलों में सघन रोमोवाली सुडिया की निगरानी करें। इनके सुडियों के शरीर के उपर काफी घने बाल पाये जाते हैं। यह मूंग एवं उरद के पौधों के कोमल भागों विशेषकर पत्तियों को खाती है। इनकी संख्या अधिक रहने पर कभी–कभी केवल डण्ठल ही शेष रह जाती है। इस प्रकार इस कीट से

	फसल को काफी नुकसान एवं उपज में काफी कमी आती है। रोक थाम हेतु फसल में मिथाइल पैराथियान 50ई0सी0 दवा 2 मि0ली0/लीटर या क्लोरपाईरिफॉस 20ई0सी0 दवा का 2.5 मि0ली0/ली0 पानी की दर से घोल बनाकर फसल में छिड़काव आसमान साफ रहने पर ही करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह :

भिण्डी	भिण्डी की फसल को लीफ हॉपर कीट द्वारा काफी नुकसान होता है। यह कीट दिखने में सुक्ष्म होता है। इसके नवजात एवं व्यस्क दोनों पत्तियों पर चिपककर रस चुसते हैं। अधिकता की अवस्था में पत्तियों पर छोटे–छोटे धब्बे उभर जाते हैं और पत्तियॉ पीली तथा पौधे कमजोर हो जाते है जिससे फलन प्रभावित होती है। इस कीट का प्रकोप दिखाई देने पर इमिडाक्लोप्रिड 0.5 मि0ली0 प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें। भिंडी फसल में माइट कीट की निगरानी करते रहें। प्रकोप दिखाई देने पर ईथियॉन /1.5 से 2 मि0ली0 प्रति ली0 पानी की दर से छिड़काव आसमान साफ रहने पर करें। गरमा सब्जियों जैसे भिन्डी, नंनुआ, करैला, लौकी (कद्दू), और खीरा की फाल में निकाई–गुडाई करें।
बैंगन	बैंगन तथा टमाटर की फसल को फल छेदक कीट से बचाव हेतु ग्रसित फलों को इकट्ठा कर नष्ट कर दें। यदि कीट की संख्या अधिक हो तो स्पिनोसेड कीटानाशी 48 ई0सी0 @ 1 मि0ली0/4 लीटर पानी की दर से छिड़काव आसमान साफ रहने पर ही करें।

मुर्गी पालन विशिष्ट सलाहः

मुर्गी	पक्षियों को दिन में तीन बार ठंडा पेयजल उपलब्ध कराएं। पोल्ट्री पक्षियों को गर्मी के तनाव से बचाने के लिए पक्षियों के पीने के पानी में इलेक्ट्रोलाइट/ग्लूकोज मिला सकते है।

अन्य (मृदा/भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाहः

मिट्टी परीक्षण	खेत से मिट्टी के नमूनों को इकट्ठा कर मृदा जॉच आवश्य करवाकर आगामी फसल के लिए समेकित उर्वरक प्रबंधन करें।